This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302303**
Title of the Paper	**:**	**Nāṭyaśāstra & Dhvanyāloka** **नाट्यशास्त्र एव ध्वन्यालोक**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Dec 2024**
Semester	**:**	**III**
Group	**:**	**C**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए: **7x4=28**
Explain the following:

(i) सङ्ग्रहो यो मया प्रोक्तः समासेन द्विजोत्तमाः।
विस्तरं तस्य वक्ष्यामि सनिरुक्तं सकारिकम्॥

अथवा/OR

चतस्रो वृत्तयो ह्येता यासु नाट्यं प्रतिष्ठितम्।
दैविकी मानुषी चैव सिद्धिः स्याद् द्वविधैव तु॥

(ii) भावाभिनयसंबद्धान्स्थायिभावांस्तथा बुधाः।
आस्वादयन्ति मनसा तस्मान्नाट्यरसाः स्मृताः॥

अथवा/OR

अत्राह - रस इति कः पदार्थः। उच्यते - आस्वाद्यत्वात्। कथमास्वाद्यते रसः।

(iii) तत्र वाच्यः प्रसिद्धो यः प्रकारैरुपमादिभिः।
बहुधा व्याकृतः सोऽन्यैः ततो नेह प्रतन्यते॥

अथवा/OR

काव्यस्यात्मा स एवार्थस्तथा चादिकवेः पुरा।
क्रौञ्चद्वन्द्ववियोगोत्थः शोकः श्लोकत्वमागतः॥

(iv) रूढा ये विषयेऽन्यत्र शब्दाः स्वविषयादपि।
लावण्याद्याः प्रयुक्तास्ते न भवन्ति पदं ध्वनेः ॥

अथवा/OR

उक्त्यन्तरेणाशक्यं यत्तच्चारुत्वं प्रकाशयन्।
शब्दो व्यञ्जकतां बिभ्रद्ध्वन्युक्तेर्विषयीभवेत् ॥

2. अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से **एक संस्कृत** में होः **5+5+5+7=22**

Write short notes on the following **one** should be in **Sanskrit**:

(i)	मूलरसानाम् अवधारणा	**अथवा/OR**	सात्त्विकभावः
(ii)	प्रवृत्तिः	**अथवा/OR**	आतोद्यम्
(iii)	रसध्वनि की सर्वश्रेष्ठता	**अथवा/OR**	ध्वन्यालोकस्य मंगलपद्यम्
(iv)	सहृदयः	**अथवा/OR**	समासोक्तिः

3. भरत के नाट्यसङ्ग्रह-प्रतिपादन की विस्तृत विवेचना प्रस्तुत कीजिए। **10**

Give a detailed exposition to Natya-sangraha as discussed by Bharata.

अथवा/OR

रस-सूत्र के भट्टनायक-कृत व्याख्यान एवम् उसके विषय में अभिनवगुप्त द्वारा व्यक्त असहमतियों पर प्रकाश डालिए।

Elucidate Rasa-Sutra as explained by Bhatta Nayaka and how Abhinavagupta disagrees with him.

4. आनन्दवर्धन के अनुसार ध्वनि-स्वरूप की विशद विवेचना कीजिए। **10**

Present a detailed analysis of the concept of "Dhvani" as propounded by Anandvardhana.

अथवा/OR

ध्वनि के अभाववादी विरोध-पक्ष का व्यापक खण्डन प्रस्तुत कीजिए।

Present a comprehensive refutation of the abhavavadin School of the opponents of Dhvani.